DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Dr. Karad.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Dr. Karad.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Dr. Karad.

श्री सभापति : खरगे जी, मेरी मराठी ठीक है न? खरगे जी कन्नड़, मराठी, तेलुगू, हिन्दी, अंग्रेज़ी, ये सब भाषाएं जानते हैं। श्री मल्लिकार्जुन खरगे।

Situation arising out of ongoing strike by bank employees

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे) : चेयरमैन साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे आज ज़ीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया। महोदय, खासकर 9 बैंकों की यूनियन से जुड़े हुए लाखों कर्मचारी दो दिनों से हड़ताल पर हैं, जिसके कारण बैंकों के कामकाज ठप हो गए हैं। आज आम जनता और कारोबारी लोग बहुत परेशान हैं। जो बैंक हड़ताल पर हैं, उन बैंकों के कर्मचारी 15 और 16 मार्च को तथा उसके बाद 17 मार्च को जनरल इन्श्योरेंस कम्पनियों के कर्मचारी हड़ताल पर जा रहे हैं। फिर 18 मार्च को एलआईसी कर्मचारी निजीकरण के खिलाफ हड़ताल पर होंगे। देश में लगभग 12 राष्ट्रीयकृत बैंक्स हैं, जिनकी देश में लगभग एक लाख शाखाएं हैं और इन बैंकों में लगभग 13 लाख लोग काम करते हैं और इनमें 75 करोड़ से ज्यादा खातेदार हैं। खातेदार भी बैंक का स्टेकहोल्डर होता है और सरकार इन 75 करोड़ स्टेकहोल्डर्स से पूछे बिना ही इन बैंकों का निजीकरण करने का फैसला ले रही है। सरकार की गलत नीतियों से और अंधाधुंध निजीकरण और बेमकसद मर्जर के कारण कर्मचारी भविष्य के प्रति बहुत चिंतित हैं। इन 13 लाख कर्मचारियों का कोविड-19 जैसे खतरनाक दौर में रोजी-रोटी का सवाल है और खासकर जो इन बैंक्स में काम करने वाले लोग हैं, जो गरीब तबके के लोग रिज़र्वेशन में आते हैं, उन्हें अगर कहीं एश्योर्ड जॉब मिलती है तो ऐसे नेशनलाइज़्ड बैंक्स में और पब्लिक सेक्टर्स में ही मिलती है। इंदिरा जी ने बहुत सोच-विचार...

MR. CHAIRMAN: Please look at the time.

SHRI MALIKARJUN KHARGE: Give me one minute, Sir. I am specially requesting you.

MR. CHAIRMAN: As you know, in thirty seconds, the mike will be off.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: इंदिरा जी ने बहुत सोच-विचार और दूरदर्शी नज़रिये से गरीबों की मदद के लिए बैंकों का नेशनलाइज़ेशन किया था और उसी की वजह से यदि आज ज़ीरो बैलेंस है तो भी बैंक में जाकर अकाउन्ट खोलने का जो आदेश सरकार के द्वारा हुआ, उसी के लिए करोड़ों लोग आज बैंकों में जा रहे हैं...

श्री सभापति: खरगे जी, आप समाप्त कीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: इसीलिए मैं आपसे विनती करता हूं कि 2008 में विश्व में अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई थी, लेकिन हमारे यहां राष्ट्रीयकृत बैंकों के होने के कारण यहां अर्थव्यवस्था को सपोर्ट मिला।

मैं खासकर आपसे यही कहूंगा कि जो लोग रास्तों पर बैठे हैं और हड़ताल कर रहे हैं, उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिए वित्त मंत्री जी खुद एक बयान दें...

श्री सभापति: धन्यवाद खरगे जी। The Parliamentary Affairs Minister will communicate to the Finance Minister. ...(*Interruptions*).. Those who want to associate may send their slips. ...(*Interruptions*)... I cautioned you. You are a very senior Member. The mike automatically gets switched off. It is not in my hands.

SHRI MALIKARJUN KHARGE: I will just take half a minute. I will not take more than that.

MR. CHAIRMAN: It will not go on record, Kharge*ji*. You are a very senior Member. Please understand.

SHRI MALIKARJUN KHARGE: My only point, through you, is that the Finance Minister should have gone there or she should have given a statement about these problems.

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Ram Nath Thakur. ...(*Interruptions*).. You have time during the Finance Bill. ...(*Interruptions*).. All those who want to associate can send their names. Shri Ram Nath Thakur. ..(*Interruptions*).. Shri Ram Nath Thakur is on his legs.

SHRI JAIRAM RAMESH (Karnataka): Sir, please direct the Government to issue a statement.

MR. CHAIRMAN: I can't direct. I have asked the Minister to convey this to the Finance Minister. Already, I have said it. ...(*Interruptions*).. If she chooses to make a statement, that is different. ...(*Interruptions*).. Please, please. नई परम्परा शुरू न करें।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI PRIYANKA CHATURVEDI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI G.C. CHANDRASHEKHAR (Karnataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. L. HANUMANTHAIAH (Karnataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SYED NASIR HUSSAIN (Karnataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T.K.S. ELANGOVAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती फूलो देवी नेताम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री नारायण दास गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Need for solutions to prevent food wastage

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): माननीय सभापति जी, आपने मुझे ज़ीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। ..(**व्यवधान**).. हालिया फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन पचास किलो अनाज की बरबादी होती है, यानी प्रति वर्ष 70